समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

अमेरिका ने पाक को दी मदद, ऑपरेशन सिंदूर मे तंबाह F-16 और AWACS की मरम्मत का खुलासा

Publisher

Published on 06 Oct 2025

भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए विवादित घटनाक्रम का असर अब भी क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चर्चा में बना हुआ है। मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान की वायु सेना और रणनीतिक केंद्रों को निशाना बनाया था। इस हमले में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ, जिसमें F-16 लड़ाकू जेट, स्वीडन निर्मित AWACS विमान, रडार सिस्टम और कमांड सेंटर भी शामिल थे।

हाल ही में यह खुलासा हुआ है कि अमेरिका ने पाकिस्तान को इन उपकरणों की मरम्मत और पुनर्स्थापना में मदद की है। पाकिस्तान की ओर से असीम मुनीर के अनुरोध पर अमेरिका ने विशेष टीमें पाकिस्तान भेजीं, जो F-16 जेट और AWACS विमान की मरम्मत के लिए जिम्मेदार थीं। इस कदम ने क्षेत्रीय राजनीति में नया मोड़ ला दिया है और भारत-पाकिस्तान के बीच सुरक्षा संतुलन पर चर्चा को फिर से उभार दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी वायु और जमीन दोनों ही क्षमताओं का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर सिस्टम को निशाना बनाया था। इस हमले में पाकिस्तान के F-16 लड़ाकू जेट ध्वस्त हो गए, जो उस समय पाकिस्तान के लिए रणनीतिक और परिचालन क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा थे। इसके अलावा, AWACS विमान और रडार सिस्टम को भी भारी क्षति पहुंची, जिससे पाकिस्तानी कमांड और कंट्रोल नेटवर्क प्रभावित हुआ।

अमेरिकी टीमें पाकिस्तान में इन उपकरणों की मरम्मत के लिए भेजी गईं। बताया जा रहा है कि अमेरिकी तकनीकी विशेषज्ञों ने पाकिस्तान के इंजीनियरों और तकनीशियनों के साथ मिलकर F-16 और AWACS की मरम्मत और संचालन की प्रक्रिया शुरू की। इस सहयोग का उद्देश्य था कि पाकिस्तान अपनी वायु सेना की क्षमताओं को जल्दी से पुनर्स्थापित कर सके और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रख सके।

असीम मुनीर के अनुरोध पर अमेरिका द्वारा यह कदम उठाना कई विशेषज्ञों के लिए आश्चर्यजनक था। क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के नजरिए से यह अमेरिका की पाकिस्तान के प्रति रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। इस सहयोग ने भारत-पाकिस्तान के बीच चल रही सुरक्षा प्रतिस्पर्धा और तनावपूर्ण संबंधों पर नई बहस को जन्म दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर में हुए नुकसान के दस्तावेज और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की वायु सेना को तत्काल नुकसान की भरपाई के लिए युद्धकालीन स्तर की मरम्मत की आवश्यकता थी। F-16 जेट और AWACS जैसे उपकरण अत्यंत जटिल और महंगे हैं, जिनकी मरम्मत के लिए उच्च तकनीक और विशेषज्ञता की जरूरत होती है। अमेरिका की मदद के बिना इन उपकरणों की मरम्मत पाकिस्तान के लिए असंभव मानी जा रही थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह सहयोग केवल तकनीकी मरम्मत तक ही सीमित नहीं था। अमेरिकी टीमों ने पाकिस्तान को उपकरणों के संचालन और युद्धकालीन क्षमता बहाल करने के उपाय भी सुझाए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच रक्षा और तकनीकी सहयोग गहरा और रणनीतिक है।

भारत की ओर से यह खबर चिंता का विषय बन सकती है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता और रणनीतिक योजना को अमेरिका की मदद से पाकिस्तान दोबारा संतुलित कर सकता है। इसके चलते क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर नई चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के नुकसान का जायजा लेने के लिए पाकिस्तान में भेजी गई अमेरिकी टीमें कई हफ्तों तक कार्यरत रही। उनके कार्यकाल में F-16 जेट, AWACS विमान और रडार सिस्टम की मरम्मत के साथ-साथ उन्हें उड़ान योग्य स्थिति में लाने के उपाय किए गए। इस सहयोग ने पाकिस्तान की वायु क्षमता को अपेक्षाकृत जल्दी बहाल करने में मदद की।

राजनीतिक और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की यह सहायता क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और भविष्य में भारत-पाकिस्तान संबंधों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। जबकि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी सैन्य और रणनीतिक योजना सफलतापूर्वक लागू की, अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को दी गई मदद ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है।

इस खुलासे के बाद भारतीय रक्षा विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा है कि भविष्य में भारत को अपनी रणनीति और सुरक्षा नीतियों को और अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाने की आवश्यकता होगी। ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सेना की सामरिक क्षमता को दिखाया था, लेकिन अमेरिका-पाक सहयोग ने इस संतुलन को चुनौती दी है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए नुकसान और इसके बाद अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को दी गई मदद ने क्षेत्रीय सुरक्षा पर नई बहस को जन्म दिया है। F-16 जेट, AWACS और रडार सिस्टम की मरम्मत में अमेरिकी टीमें पाकिस्तान की मदद करने के लिए वहां पहुंचीं और इसने भारत-पाकिस्तान के बीच चल रही रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में नया अध्याय जोड़ दिया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.